एक नजर में

वेद वचनों को आत्मसात करें- राजेंद्र व्यास

उज्जैन। पंच महायज्ञ हमारे जीवन के आवश्यक अंग हो हम वेदानुकूल आचरण करेंगे, वेद वचनों को आत्मसात करेगें तो हमारा लोक परलोक दोनो सुधरेगा, हम वेद वचनों को आत्मसात करे, तभी श्रावणी उपक्रम पर्व सार्थक सिद्ध होगा। आचार्य जीवन प्रकाश ने कहा हमारी वर्ण व्यवस्था कर्म पर आधारित है मध्यकाल के अत्याचार से परिस्थितियां बदली और विकृत जन्मना जाति व्यवस्था समाज मे फेल गई। यज्ञोपवीत के तीन सूत्र हमें गुरू माता पिता प्रकृति के ऋण का स्मरण कराते हैं। आर्य समाज मंदिर में श्रावणी पर्व मनाया। देवयज्ञ के साथ मनाया रक्षाबंधन। वैदिक विद्वान पंडित राजेंद्र व्यास ने कहा श्रावणी पर्व संस्कृत दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वेद, रामायण, गीता सभी ग्रंथ हमें इस देव भाषा के प्रति हमारे कर्तव्य की याद दिलाते हैं। हैदराबाद सत्याग्रह दिवस पर आर्य व्यास ने कहा हैदराबाद के निजाम के अत्याचारों से मुक्ति और मंदिरों पर प्रतिबंध आर्य समाजियों ने अपना बलिदान देकर कर्त्तव्य पालन किया था। प्रारंभ में वैदिक मत्रों से और आर्यजनो ने यज्ञ में आहुतियां दीं, भजन की प्रस्तुति डॉ. हंसा चतुर्वेदी ने दी। संचालन पूर्व प्रधान राजेंद्र शर्मा ने किया और आभार प्रधान डॉ. ललित नागर ने व्यक्त किया। डॉ. मालाकार द्वारा वैदिक जय घोष प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वैदिक धर्मालुजन उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर हुई सभा

उज्जैन। महाकाल आदिवासी लोक कल्याण समिति द्वारा विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को रैली ना निकालते हुए, सभा के माध्यम से बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ विश्व आदिवासी दिवस मनाया। इस अवसर पर समस्त आदिवासी समाज ने अपने प्रकृति एवं पूर्वजों क्रांतिकारी टंट्या भील, बिरसा मुंडा, राणा पुंज्या भील, बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम डॉ. कनिया मेड़ा अध्यक्ष एवं आयोजक, महाकाल आदिवासी लोक कल्याण समिति, उज्जैन के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरेसिंह मुवेल ने की और मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर गजेंद्र सिंह डावर ने अपने उद्बोधन में कहा कि, आदिवासी समाज को स्वास्थ्य शिक्षा एवं संवैधानिक अधिकारों और आदिवासी एकता के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। विशेष अतिथि के रूप में अमरसिंह कटारा, ममता नरगावे, प्रकाश परमार थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण में डॉ. कनिया मेड़ा दिया। शुभम मांगलिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में जयराम कन्नौजे, गंगाराम मुवेल, अंबाराम नरगावे, सुनील अवास्या, त्रिलोक बेनल, रूपसिंह मुवेल, सीताराम वास्कले, मंजुला तिग्गा, पूजा मुवेल, मरियानुस लकड़ा, तरसिसयुस खलखो, अंथ्रेस तिग्गा, गोविंद धुर्वे, मनोज टेकाम, दशरथ सिंह मुकाती, अमरसिंह सेनानी आदि समाजजन मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजू नारंग ने किया एवं आभार शांतिलाल चौहान ने माना।

मतंगेश्वर महादेव पर विशेष पूजन किया

उज्जैन। गोला मंडी में सावन माह के अंतिम दिन और श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर, शहर के 84 महादेव मंदिरों में से एक, 60वें नंबर के मतंगेश्वर महादेव मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस दौरान अखंड रामायण का पाठ किया गया, जिसका समापन हवन और पूर्ण आहुति के साथ हुआ। यह विशेष पूजन आसपास के क्षेत्रों में पानी की कमी और सूखे जैसे हालात को देखते हुए किया गया। समाजसेवी रोहित मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सामूहिक प्रार्थना महादेव से अच्छी बारिश के लिए की गई है। पूजन का मुख्य उद्देश्य यह है कि उज्जैन सहित आसपास के सभी इलाके खुशहाल हों, सभी लोग निरोगी रहें, पेड़-पौधे हरे-भरे रहें और किसानों की फसलें अच्छी हों। आयोजन के दौरान शहर की समृद्धि और प्रकृति के संरक्षण की कामना की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस पूजन में भाग लिया और अच्छी बारिश के लिए कामना की। इस मौके पर पंडित श्याम शर्मा, पंडित सुनील शर्मा, वीरेंद्र कुमार शर्मा, दिनेश दुष्यानी, पंकज धनोतिया, महेश त्रिपाठी, सोनू मालवीय, ललित मालवीय, राहुल मालवीय, प्रिंस मालवीय, विशाल शर्मा, रितु जैन, शिल्पा मित्तल, प्रवीण राय, संजय राय, गुड्डू गुरु आदि लोग उपस्थित थे।

बिरसा मुंण्डा को पुष्पांजलि अर्पित की

उज्जैन। देवास रोड स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज पर अजाक्स संगठन द्वारा आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संभाग सचिव के सी रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि संभागीय अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी के नेतृत्व में महानायक बिरसा मुंण्डा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनको याद किया और पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर अजाक्स के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान संभागीय अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी ने संबोधित करते हुए कहा कि विश्व आदिवासी दिवस मनाने की शुरुआत साल 1982 में हुई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आदिवासी लोगों के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस घोषित किया था। आदिवासी समुदाय सदियों से सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस दिन को मनाकर हम आदिवासियों के योगदान को याद करते हैं और उनके अधिकारों के लिए काम करने का संकल्प लेते हैं। यह दिन दुनिया भर के आदिवासी समुदायों के अधिकारों को मान्यता देने और उनकी संस्कृति, विरासत और योगदान को मनाने के लिए मनाया जाता है। इस मौके पर डॉ. मदन सोलंकी, आर एस डावर, प्रांत सचिव आर सी चांगेसिया, राजेश सूर्यवंशी एन पी मालवीय, दुर्गेश मर्सकोले, विजय रायकवार, केशर देवी आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

धार्मिक नगरी तेजी से बन रही उद्योग नगरी, अब अदानी ग्रुप उज्जैन में खोलेगा सीमेंट फैक्ट्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की परिकल्पना हो रही साकार, सैकड़ो कंपनियां ले रही आकार

विक्रम उद्योगपुरी का लगातार हो रहा विस्तार

किसानों को भी स्पेशल पैकेज

उज्जैन। बेरोजगारी का दंश झेलते शहर में एक-एक करके सभी उद्योग बंद हो गए थे। हजारों श्रमिक जो फैक्ट्री में काम करते थे। वह बेरोजगार हो गए। गरीबों का घर चलना मुश्किल हो गया। ऐसे में लोग पलायन के लिए मजबूर हो गए। यही वह वक्त था जब उज्जैन ने पलटी मारी और बदलते दौर में अब यहां की रंगत ही बदल गई।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर उज्जैन निवासी डॉ. मोहन यादव आसीन हो गए और उन्होंने जो संकल्प लिए वह धीरे-धीरे पूरे हो रहे हैं। जो सपने उन्होंने देखे वह साकार हो रहे हैं। उज्जैन में विक्रम उद्योगपुरी के तौर पर सैकड़ो कंपनियां आकर ले रही है जिनमें हजारों श्रमिक कार्यरत हैं और उन्हें रोजगार प्राप्त हो रहा है।

गौरतलब है की अदानी ग्रुप व सीएम मोहन यादव की चर्चा के बाद उज्जैन में कई बैठके हुई। प्रारूप बनाने के बाद उज्जैन में सीमेंट्र फैक्ट्री बनाने का रास्ता साफ हुआ। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ के मुताबिक, उज्जैन-देवास रोड स्थित विक्रम उद्योगपुरी में अदानी ग्रुप सीमेंट फैक्ट्री लगाएगा। इसके लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

उज्जैन में अडानी ग्रुप 3500 करोड़ रुपए निवेश करके सीमेंट फैक्ट्री बनाने जा रहा है। यह सीमेंट फैक्ट्री उज्जैन के विकास की रफ्तार में और तेजी लाएगी। इससे न सिर्फ आस-पास के लोगों को रोजगार का अवसर मिलेंगे, बल्कि इससे उज्जैन की में और भी कई बड़ी कंपनियां निवेश करेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में ही घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा कि जब मध्य प्रदेश सरकार केंद्र सरकार के नेतृत्व में लगातार उत्तरोत्तर प्रगति कर रही है तो हमारे किसानों को भी पूरी तरह से मदद की जाएगी। जो भी सहयोग होगा मध्य प्रदेश सरकार करेगी। ऐसे में विक्रम उद्योगपुरी के किसानों से लेकर स्थाई कुंभ सिटी बने की प्रक्रिया में भी किसानों को स्पेशल पैकेज दिया जाएगा जिससे किसानों का जीवन भी खुशहाल होगा।

अदानी ग्रुप उज्जैन में खोलेगा सीमेंट फैक्ट्री

अडानी ग्रुप उज्जैन में 3500 करोड़ रुपए का निवेश करके सीमेंट फैक्ट्री खोलने जा रहा है। इसके लिए जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह पहला अवसर नहीं है जब अदानी ग्रुप उज्जैन आया है इसके पहले साइलो के माध्यम से भी अदानी ग्रुप उज्जैन में कार्यरत है और उसमें भी शहर वासी रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन को एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। अडानी ग्रुप ने यहां एक बड़ी सीमेंट फैक्ट्री खोलने की घोषणा कर दी है। इस सीमेंट फैक्ट्री में अडानी ग्रुप 3500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। सीमेंट फैक्ट्री खोलने के लिए विक्रम उद्योगपुरी में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सीमेंट फैक्ट्री के खुल जाने से रोजगार के अवसर भी मिलेंगे, साथ ही उज्जैन में अन्य निवेशकों का रास्ता भी खुलेगा।

एमपीआईडीसी एमडी राठौर से चर्चा

नवभारत से चर्चा में एमपीआईडीसी के एमडी राजेश राठौड़ ने बताया उज्जैन में हुई रीजनल इंड्रस्ट्रीज कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री मोहन यादव से अडानी ग्रुप ने निवेश की इच्छा जताई थी। जिस पर सीएम ने सहमति दे दी थी। इसके बाद से अब अडानी ग्रुप अब उज्जैन में बड़ी सीमेंट फैक्ट्री खोलने की तैयारी कर रहा है। यह सीमेंट फैक्ट्री उज्जैन के विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय जेल में मना भाई बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन

3000 बहने पहुंची थी जेल, जेल प्रशासन ने उपलब्ध कराई थाली

उज्जैन। भाई-बहन के स्नेह का प्रतिक रक्षाबंधन का पर्व शनिवार को केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ में मनाया गया। सुबह 8 से ही बहनों का पहुंचाना शुरू हो गया था दोपहर 2.30 बजे तक 3000 से अधिक बहनों ने अपने बंदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर आगे से अपराध नहीं करने का वचन लिया।

केन्द्रीय जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस बार भी रक्षाबंधन पर सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंदी भाईयों से बहनें मुलाकात कर रक्षासूत्र बांधने का कार्यक्रम रखा गया था। बहनों को बंदी भाइयों से मिलने के लिये 15 मिनट का समय दिया गया। सुबह से ही बहनों का पहुंचना शुरू हो गया था। जेल परिसर में ही रक्षाबंधन मनाए जाने की पूरी तैयारी की गई थी। पहले ही नियम के मुताबिक बहनों के लिए गाइडलाइन जारी कर दी गई थी जिसमें बहनों को मुलाकात पंजीयन के लिये फोटोयुक्त परिचय पत्र एव आधार कार्ड की छायाप्रति लाना अनिवार्य किया गया था। एक बंदी से एक बार ही मुलाकात कराई गई।

जेल प्रशासन की ओर से स्टील की थाली उपलब्ध कराई गई थी। जिसमें राखी, कुमकुम, चावल, फूटा हुआ नारियल, 250 ग्राम मिठाई, एक फल रखने की अनुमति थी। बहनों को सभी सामग्री जेल केंटिन से उपलब्ध कराई गई। बाहर से कोई सामग्री लाने की अनुमति नहीं थी। दोपहर तक 3200 बहाने केंद्रीय जेल अपने बंदी भाइयों को राखी बांधने के लिए पहुंची थी। पारिवारिक रूप में पूरा कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान कई भाई बहनों की की आंखों में आंसू दिखाई दिए। बहनों ने राखी बांधने के बाद भाइयों से आगे से अपराध नहीं करने का वचन लिया और अगली बार परिवार के साथ ही रक्षाबंधन बनाने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने गीता कॉलोनी पहुंचकर बेटी और बहन से बंधवाई राखी

उज्जैन। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी अपने गृह नगर उज्जैन पहुंचकर जहां लाड़ली बहनाओं से राखी बंधवाई। वहीं शनिवार को सीएम गीता कॉलोनी पहुंचे। सीएम ने अपनी बड़ी बहन नगर निगम सभापति कलावती यादव से लेकर अपनी बेटी डॉ. आकांक्षा यादव से रक्षा सूत्र बनवाया। इस मौके पर परिवार जनों के साथ मिलकर मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर्व मनाया।

नवभारत से चर्चा में नगर निगम सभापति कलावती यादव ने बताया कि बचपन में मोहन यादव काफी नटखट थे और वह हमेशा बड़ी राखी और लग्जरी राखी जिसमें अधिक सितारे लगे होते थे वह बंधवाने के लिए जिद करते थे। लेकिन समय बदला और अव वे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए हैं। जहां अब पूरे मध्य प्रदेश की साढ़े चार करोड़ बहने उन्हें राखी बांध रही हैं। ऐसे में अब उनकी पसंद यह रहती है की छोटी राखी उनके हाथ पर बांधी जाए ताकि अधिक से अधिक बहने उनकी कलाई पर राखी बांध सके और यह भी अनूठा है कि मोहन यादव ने ही दोनों हाथों पर राखी बांधने की प्रथा प्रारंभ की।

नाबालिग को बहला फुसलाकर गुजरात ले गया था युवक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

उज्जैन। महिदपुररोड की रहने वाली 17 वर्षीय बालिका 16 जुलाई को लापता हो गई थी। परिजनों ने उसके लापता होने की शिकायत थाने पहुंचकर की।

पुलिस ने मामला नाबालिग से जुड़ा होने पर अपहरण का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। परिजनों ने आशंका जताई कि उनकी बालिका को कोई बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर काम शुरू किया। 21 दिन बाद सामने आया कि लापता बालिका गुजरात के गांधीग्राम में है। थाना प्रभारी रामसिंह भामोर ने तत्काल एसआई प्रेम मालवीय, आरक्षक प्रदीप जयसवाल और अर्जुन सोलंकी को बालिका की दस्तयाबी के लिये रवाना किया। गांधीग्राम पहुंचने पर बालिका गोपाल पिता सुखराम चौहान निवासी ग्राम आजमाबाद राघवी के साथ मिली। दोनों को महिदपुररोड थाने लाया गया। जहां बालिका के बयान दर्ज करने पर गोपाल द्वारा बहला-फुसलाकर साथ ले जाना बताया। पुलिस ने गोपाल के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए कोर्ट में पेश किया। बालिका को बालिका गृह के माध्यम से परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

मायके में रहने वाली विवाहिता ने खाया जहर

उज्जैन। मायके में रहने वाली विवाहिता ने रक्षाबंधन पर जहरीला पदार्थ खा लिया। मां पड़ोसियों की मदद से अस्पताल लेकर पहुंची जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तहसीलदार की मौजूदगी में पुलिस में पोस्टमार्टम कराया है। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि इंदिरा नगर में रहने वाली 24 वर्षीय प्रियांशी शर्मा पति लोकेश जैन को उसकी मां आसपास के लोगों की मदद से अस्पताल लेकर पहुंची थी जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद जहरीला पदार्थ खान और मौत होने की पुष्टि की। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची मामला नव विवाहिता से जुड़ा होना सामने आया। पुलिस ने तहसीलदार को सूचना दी महिला तहसीलदार पोस्टमार्टम कक्ष पहुंची और परिजनों से चर्चा की। इस दौरान सामने आया कि कुछ समय पहले प्रियांशी का विवाह नीमच के जावद में रहने वाले लोकेश जैन से हुआ था। लेकिन वह कुछ समय से अपने मायके में ही रह रही थी। तहसीलदारों पुलिस ने पोस्टमार्टम प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंपा।

श्रावणी उपाकर्म, शिप्रा तट पर हुआ धार्मिक आयोजन

उज्जैन। श्रावणी उपकर्म संस्कृति पर्वों की परंपरा से जुड़ी एक समृद्धि धरोहर है। जिनमें आध्यात्मिकता, सामाजिक भावनाएं और बौद्धिक चेतना समाहित होती हैं। श्रावणी उपाकर्म शनिवार को शिप्रा के तट पर मनायी गई। इस दिन को भगवान शिव के पृथ्वी पर भ्रमण का अंतिम दिन के रूप में मनाया जाता है। श्रावणी पूर्णिमा के दिन जब चंद्र अपनी संपूर्ण कलाओं और सहस्रों शीतल रश्मियों से संसार को आच्छादित कर देते हैं और मां महालक्ष्मी पाताल लोक के राजा बलि के यहां से बलि को रक्षासूत्र बांधकर अपने पति श्रीहरि विष्णु को मुक्त करा लेती हैं। तो भगवान शिव मां शक्ति और गणों के साथ कैलाश पर्वत की ओर प्रस्थान करते हैं। श्रावणी पूर्णिमा ऐसा ही एक पर्व है जो जनेऊधारी ब्राह्मणों के लिए उपाकर्म वेदों, संस्कृति और सामाजिक परंपराओं का संगम है। यह पर्व हमें आत्मशुद्धि, आत्मीयता और आत्मगौरव की प्रेरणा देता है।

क्या है श्रावणी उपाकर्म

वैदिक ब्राह्मणों द्वारा पूर्णिमा के मौके पर श्रावणी उपाकर्म किया जाता हैं। इसलिए वैदिक ब्राह्मण गण इस दिन प्रात:काल ब्रह्म मुहूर्त में पवित्र नदी, देवालय पहुंच कर हेमाद्रि संकल्प करते हैं। इस आध्यात्मिक विधान में षटकर्म, तीर्थों का आव्हान, संकल्प, गाय का घी, दूध, दही, गोबर और गोमूत्र (पंचगव्य) से स्नान सहित शिखा सिंचन, नवीन यज्ञोपवीत धारण के बाद श्री विष्णु का पूजन होता है।

दोस्त के साथ बकरा चोरी करने वाला 11 दिन बाद पकड़ाया

उज्जैन। बक्षराज फैक्ट्री बड़नगर में रहने वाले ग्रामीण का 11 दिन पहले रात के समय बकरा चोरी हो गया था। पुलिस ने कैमरों के फुटेज खंगाले। जिसमें 2 व्यक्ति पैदल बकरा लेकर जाते दिखाई दिये। दोनों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की। 11 दिन बाद एक को हिरासत में लिया गया है।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि 27 जुलाई को रामचंद्र पिता भोलानाथ योगी ने थाने आकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके ढालिये में तीन बकरा-बकरी बांधे थे। एक बकरा 20 हजार कीमत का अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गये हैं। शिकायत पर चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसआई चांदनी पाटीदार, आरक्षक महेश मौर्य, नितेश रायकवार ने मौके पर पहुंच आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे। जिसमें 2 व्यक्ति पैदल बकरा लेकर जाते दिखाई दिये। दोनों की पहचान के प्रयास शुरू किये गये। इस दौरान सामने आया कि फुटेज में दिखाई दिया एक व्यक्ति आटो चालक विनोद पिता सुनील बाली और दूसरा हिस्ट्रीशिटर बदमाश राहुल परमार है। विनोद बाली रेलवे स्टेशन रोड बड़नगर मार्ग का रहने वाला है। पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की। लेकिन फरार होना सामने आये। 11 दिन बाद गुरूवार को सूचना मिली कि विनोद घर आया हुआ है। उसकी गिरफ्तारी के लिये टीम को रवाना किया और घर के आसपास घेराबंदी की उसे हिरासत में लिया गया। बकरा चोरी के बारे में पूछताछ करने पर उसने चोरी करना कबूल कर लिया। बकरा बरामदगी के प्रयास करने पर उसके घर के पिछले हिस्से में बांधकर रखा गया बकरा बरामद कर लिया गया। जिसकी पहचान शिकायतकर्ता को बुलाकर कराई गई। रामचंद्र ने अपना बकरा पहचान लिया। थाना प्रभारी के अनुसार विनोद बाली के खिलाफ पूर्व में भी 4 अपराधिक मामले दर्ज होना सामने आये है। चोरी में शामिल उसके साथी राहुल की तलाश करने पर फरार होना सामने आया, जिसके खिलाफ भी 7 से 8 मामले दर्ज है और थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशिटर है। जिसकी तलाश जारी है।

रक्षा बंधन मना | **बाजारों में बनी रही रौनक, जन्माष्टमी तक रहेगा भाई बहन के प्यार का उत्साह**

प्रेम और स्नेह के साथ धार्मिक नगरी में मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

नवभारत न्यूज

उज्जैन। प्रेम-स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन धार्मिक नगरी शनिवार को मनाया गया। बाबा महाकाल के दरबार से सबसे पहले हुई शुरुआत के बाद शहर में उत्साह दिखाई दिया। बहनें पहले ही खरीदारी कर चुकी थी। बावजूद पर्व के दिन बाजारों में सुबह से रौनक बनी रही। भादौ माह में मनाये जाने वाले रक्षाबंधन का पर्व शनिवार को प्रेम-स्नेह के साथ उत्साह के रूप में मनाया गया। इस बार दुर्लभ संयोग में भाई-बहनों का पर्व आया। 297 साल बाद रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं रहा। पूरे दिन बहनों ने भाइयों के कलाई पर रक्षासूत्र बांधा। सुबह हुई शुरुआत का उत्साह शाम को दिखाई दिया। बाजारों में सुबह से रौनक बनी हुई थी। बहनों ने रक्षासूत्र पहले ही खरीद लिये थे, लेकिन भाई को राखी बांधने से पहले मिठाई-श्रीफल, पताशे की खरीददारी पर्व के दिन की गई। रक्षाबंधन को देखते हुए बाजारों में सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किये थे। सादी वर्दी में पुलिस बाजार में लगातार भ्रमण कर असामाजिक तत्वों पर नजर रख रही थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी गृहनगर में थे, जिसके चलते व्यवस्था काफी चाक-चौबंद रही। सबसे अधिक उत्साह छोटे भाई-बहनों में दिखाई दिया।

प्रेम पर नहीं दिखा मंहगाई का असर

इस बार बाजार में मंहगाई काफी अधिक रही। रक्षाबंधन पर श्रीफल (नारियल) का महत्व रक्षासूत्र के साथ काफी अधिक माना जाता है। बाजार में श्रीफल 40 से 50 रुपए की कीमत में मिल रहा था। मिठाइयों के भाव में तेजी थी। घेवर-फैनी भी 300 रुपए पार बाजार में उपलब्ध थी। लेकिन भाई-बहन के स्नेह पर मंहगाई का असर दिखाई नहीं दिया। पर्व काफी उत्साह-उमंग के साथ मनाया गया।

22 हजार की सामग्री भेंट की श्रद्धालु ने

उज्जैन। राजस्थान के बाड़मेर से आए श्रद्धालु रतन खंडेलवाल ने महाकाल मंदिर की व्यवस्था से खुश होकर आईटी शाखा को 22 हजार रुपए कीमत की उपयोगी सामग्री दान स्वरूप भेंट की। महाकाल मंदिर समिति के सहायक प्रशासनिक अधिकारी आरके तिवारी ने बताया कि श्रद्धालु खंडेलवाल ने कार्यालय आकर इसकी इच्छा जताई थी। उन्होंने जानकारी निकाली तो पता चला कि आईटी शाखा को यह सामग्री उपयोग हेतु चाहिए तो श्रद्धालु ने उच्च गुणवत्ता के की-बोर्ड, सीपीयू, मॉनीटर के साथ अन्य सामग्री भेंट की। तिवारी ने दानदाता का सम्मान किया।